[हमारे अतीत भाग -3 कक्षा -8] 9 राष्ट्रीय आंदोलन का संघटन

प्रश्न 1. 1870 और 1880 के दशकों में लोग ब्रिटिश शासन से क्यों असंतुष्ट थे ?

उत्तर :असंतुष्ट होने के कारण

1. 1878 में आर्म्स एक्ट पारित किया, जिससे भारतीयों से अपने पास हथियार रखने का अधिकार छीन लिया गया।

2. 1878 में वर्नाक्यूलर एक्ट पारित किया गया इसके द्वारा सरकार ने अपनी आलोचना का अधिकार छीन लिया। अगर किसी अखबार में कोई आपत्तिजनक चीज छपती थी तो सरकार उसकी प्रिंटिंग प्रेस सहित सारी संपत्ति जब्त कर सकती थी।

3. 1883 में सरकार ने इलबर्ट बिल लागू करने का प्रयास किया, लेकिन अंग्रेजों के विरोध के कारण इसे वापिस ले लिया गया। इस बिल के अनुसार भारतीय न्यायाधीश भी यूरोपीय नागरिकों के मुकदमों की सुनवाई कर सकते थे।

4. इसके बाद बहुत से राजनीतिक संगठनों की स्थापना हुई जो अंग्रेजी नीतियों के विरोध में थी।

प्रश्न 2. भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस किन लोगों के पक्ष में बोल रही थी ?

उत्तर : भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस भारत के किसी एक वर्ग या समुदाय के पक्ष लेने के बजाय सभी समुदायों के पक्ष में बोल रही थी। उसने लगान कम करने फौजी खर्चों में कटौती व सिंचाई के लिए ज्यादा अनुदान देने की मांग की। नमक कर व वनवासियों की बढ़ती मुसीबतों के बारे में भी बहुत सारे प्रस्ताव पास किए।

प्रश्न 3. पहले विश्व युद्ध से भारत पर कौन से आर्थिक असर पड़े?

उत्तर : भारत पर प्रभाव

1. इस युद्ध के कारण ब्रिटिश भारत सरकार के व्यय में भारी बढ़ोत्तरी हुई थी। इस खर्चे को पूरा करने के लिए सरकार ने निजी आय ओर व्यावसायिक लाभ पर कर बढ़ा दिया था।

2. सैनिक व्यय में बढ़ोत्तरी तथा युद्ध सामग्री की आपूर्ति के कारण जरूरी चीजों की कीमतों में भारी उछाल आया और आम लोगों का जीवन मुश्किल हो गया

3. इस युद्ध ने औद्योगीकरण वस्तुओं; जैसे- जूट के बोरे, कपड़े, रेल की पटरियाँ आदि की माँग बढ़ा दी। इन दिनों अन्य देशों में भारत आने वाले आयात में कमी आयी थी, जिस कारण भारतीय उद्योगों का विस्तार हुआ।

प्रश्न 4. 1940 के मुस्लिम लीग के प्रस्ताव में क्या माँग की गई थी ?

उत्तर : 1940 में मुस्लिम लीग ने देश के पश्चिमोत्तर तथा तथा पूर्वी क्षेत्रों में मुसलमानों के लिए स्वतंत्र राज्यों की माँग करते हुए एक प्रस्ताव पारित किया। इस प्रस्ताव में विभाजन या पाकिस्तान का जिक्र नहीं था। वे मुस्लिमों के लिए एक स्वायत्त व्यवस्था की माँग कर रहे थे।

प्रश्न 5.मध्यमार्गी कौन थे? वे ब्रिटिश शासन के खिलाफ किस तरह का संघर्ष करना चाहते थे ?

उत्तर : मध्यमार्गी

1. कांग्रेस के प्रारंभिक नेता मध्यमार्गी थे, इन नेताओं में प्रमुख थे-दादाभाई नौरोजी, सुरेंद्रनाथ बनर्जी, गोपालकृष्ण गोखले आदि ।

संर्ष का तरीका

इन नेताओं को विश्वास था कि अंग्रेज पढ़े-लिखे,लभ्य हैं, वे भारतीयों के दुख-दर्द को समझेंगे तथा

उन्हें दूर करेंगे ।

2. ये नेता प्रार्थना पत्रों, अपीलों, याचिकाओं के द्वारा अपनी बात अंग्रेजों तक पहुँचाने तथा मनवाने में विश्वास रखते थे।

3. ये नेता सरकार के अत्याचारों, गलत नीतियों, दुष्प्रभावों से जनता को अवगत कराना चाहते थे।

प्रश्न 6. कांग्रेस में आमूल परिवर्तनवादी की राजनीति, मध्यमार्गी की राजनीति से किस तरह भिन्न थी ?

उत्तर : 1. नरमपंथी संघर्ष में शांतिपूर्ण तरीकों का प्रयोग करना चाहते थे, जबकि गरमपथी उग्र एवं क्रांतिकारी तरीका अपनाना चाहते थे।1885-20 T 1905 मध्यमार्गी

2.नरमपंथी यह मानते थे कि सरकार उनकी न्यासंगत माँगों को मान लेगी, जबकि गरमपंथी सोचते थे कि बिना किसी दबाव के अंग्रेज उनकी माँग नहीं मानेंगे। 3. नरमपंथी प्रार्थनाओं, अपीलों और याचिकाओं में —विश्वास करते थे, जबकि गरमपंथी उनके इस तरीके के विरोधी थे।

प्रश्न 7. चर्चा करें कि भारत के विभिन्न भागों में असहयोग आंदोलन ने किस-किस तरह के रूप ग्रहण किए ? लोग गांधीजी के बारे में क्या समझते थे ?

उत्तर : असहयोग आंदोलन के कारण

1. खेड़ा (गुजरात) में पाटीदार किसानों ने अंग्रेजों द्वारा थोपे दिए गए भारी लगान के खिलाफ अहिंसक आंदोलन किया ।

2. तटीय आंध्रप्रदेश और तमिलनाडु के भीतरी भागों में शराब की दुकानों की घेराबंदी की गयी।

3. आंध्र प्रदेश के गुंटूर जिले में आदिवासी और गरीब किसानों का विरोध, औपनिवेशिक सरकार के द्वारा वन संसाधनों पर उनके अधिकारों को बहुत सीमित करने के लिए था।

4. पंजाब में सिखों के अकाली आंदोलन अपने गुरुद्वारों के भ्रष्ट महंतों को हटाने के लिए था।

5. असम में चाय बागान मजदूरों ने अपनी तनख्वाह में बढ़ोत्तरी के लिए आंदोलन चलाया।

6. लोग गांधीजी को एक तरह का मसीहा, एक ऐसा व्यक्ति मानते थे जो उन्हें मुसीबतों ओर गरीबी से छुटकारा दिला सकता है।

प्रश्न 8. गांधीजी के नमक कानून तोड़ने का फैसला क्यों लिया ?

उत्तर : नमक कानून तोड़ना

1. उस समय नमक के उत्पादन और बिक्री पर सरकार का एकाधिकार था।

2. महात्मा गांधी और अन्य राष्ट्रवादियों के अनुसार नमक पर टैक्स वसूलना पाप है क्योंकि यह हमारे भोजन का अभिन्न अंग है।

3. 1930 में गांधीजी और उनके समर्थक साबरमती से 240 किलोमीटर दूर स्थित दांडी तक पैदल चलकर गए और वहाँ तट पर बिखरा नमक इकट्ठा करके सार्वजनिक रूप से नमक कानून का उल्लंघन किया

प्रश्न 9.1937-47 की उन घटनाओं पर चर्चा करें जिनके फलस्वरूप पाकिस्तान का जन्म हुआ ?

उत्तर :पाकिस्तान का जन्म

1. 1937 में मुस्लिम लीग संयुक्त प्रांत में कांग्रेस के साथ मिलकर सरकार बनाना चाहती थी, परंतु कांग्रेस ने इस प्रस्ताव को स्वीकार नहीं किया, जिससे दोनों के बीच मतभेद गहरे हो गए।

2. 1940 में मुस्लिम लीग ने देश के पश्चिमोत्तर तथा पूर्वी क्षेत्रों में मुसलमानों के लिए स्वतंत्र राज्यों की माँग करते हुए एक प्रस्ताव पारित किया ।

3. 1946 के प्रांतीय चुनावों में लीग को मुसलमानों के लिए आरक्षित सीटों पर अत्यधिक सफलता मिली। इससे लीग पाकिस्तान की मांग पर कायम रही। 4. मार्च 1946 कैबिनेट मिशन की विफलता के बाद लीग ने पाकिस्तान की अपनी माँग मनवाने के लिए 16 अगस्त, 1946 को प्रत्यक्ष कार्यवाई दिवस मनाने का आह्वान किया गया।

5. इसी दिन कलकत्ता में दंगे भड़क उठे और मार्च, 1947 तक हिंसा उत्तरी भारत के विभिन्न भागों में फैल गई और इसके बाद विभाजन का परिणाम सामने आया व एक नए देश पाकिस्तान का जन्म हुआ।

Notes prepared by Lekhram Chaudhary & Tejpal Sharma [Team GUPS 7DPN – Bhadra]

डाउनलोड करें दुसरे विषयों के नोट्स पीडीऍफ़ में Click Here